भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 735

29 नवंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एम्स सैटेलाइट सेंटर

735. डॉ. विनोद कुमार बिंद:

श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि एम्स सैटेलाइट सेंटर का निर्माण पूरा होने के दस वर्ष से अधिक समय बाद भी यह पूरी तरह से चालू नहीं हो पाया है यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि सम्पूर्ण अवसंरचना का उपयोग में न आने के कारण धीरे-धीरे नष्ट होने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) एम्स को पूर्णतः चालू होने में कितना समय लगेगा तथा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): पीएमएसएसवाई के तहत स्थापित नए एम्स में, बालासोर में स्थित एम्स भुवनेश्वर के सैटेलाइट सेंटर के आउट पेशेंट ब्लॉक का निर्माण कार्य 2022 में पूरा हो गया है और वर्तमान में एम्स भुवनेश्वर के डॉक्टरों और कर्मचारियों द्वारा यहाँ सप्ताह में दो दिन आउट पेशेंट सेवाएं प्रदान की जाती हैं। 20,000 से अधिक रोगियों ने इस सेवा का लाभ उठाया है। उत्तराखंड के उधम सिंह नगर में 494.00 करोड़ रुपये की परियोजना लागत से एम्स, ऋषिकेश के 280 बिस्तरों वाले सैटेलाइट सेंटर की स्थापना के लिए भी मंजूरी दी गई है। परियोजना का काम अगस्त, 2023 में शुरू हो गया है।

*****